असम में मानसून की शुरुआत के साथ ही आई भयंकर बाढ़ के कारण लोगों की जिंदगी भारी मुश्किल में आ गई है। लोगों को घर -बार छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जाना पड़ रहा है। राज्य में सभी बड़ी नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर आ गया है, इससे बाढ़ की स्थिति और भी भयावह हो गयी है और बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 54 हो गयी है। राज्य के कई हिस्सों में लगातार बारिश होने से कई स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं भी हुई हैं। राज्य के 28 जिलों के 2930 गांवों के 19 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। राज्य में पिछले पांच दिनों से भारी बारिश हो रही है। राजधानी गुवाहाटी में प्रमुख सड़कों पर घुटनों तक पानी जमा हो गया है, जिससे जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र के अनुसार कम से कम अगले दो दिनों तक बारिश थमने का कोई आसार नहीं है। मौसम विभाग ने असम और मेघालय दोनों राज्यों में रैड अलर्ट जारी किया है।

फारुक अब्दुल्ला ने भी राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से इंकार किया

फारुक अब्दुल्ला ने कहा कि, जम्मू कश्मीर एक 'गंभीर मोड़' से गुजर रहा है, इसीलिए उन्होंने यह निर्णय लिया है

श्रीनगर, 18 जून (वार्ता)। एन.सी.पी प्रमुख जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को राष्ट्रपति पद के लिए आगामी चुनावों के लिए संयुक्त विपक्ष का उम्मीदवार बनने से 'ससम्मान' इनकार कर दिया।

नैशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष ने अपने बयान में कहा कि जम्मू कश्मीर एक 'गंभीर मोड़' से गुजर रहा है , इसीलिए उन्होंने यह निर्णय लिया है।

अब्दुल्ला ने बयान में कहा, मैं ममता बनर्जी द्वारा भारत के राष्ट्रपति पद के लिए संभावित संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार के रूप में अपना नाम प्रस्तावित करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मुझे अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन देने वाले विपक्षी नेताओं के कई फोन आए हैं।

- **अब्दुल्ला ने बयान में कहा, मैं ममता बनर्जी द्वारा भारत के राष्ट्रपति पद के लिए संभावित संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार के रूप में अपना नाम प्रस्तावित करने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, लेकिन मेरे लिए यह जिम्मेदारी उठा पाना वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार संभव नहीं है।**
- **गौरतलब है कि, इन हालिया घटनाक्रमों से एक के बाद एक विपक्ष की एकता और उम्मीदें धूमिल होती जा रही हैं, ममता बनर्जी एक अलग छोर पर खड़ी हैं तथा कांग्रेस व अन्य दल दूसरे किनारे पर खड़े होकर विपक्षी एकता की बातें कर रहे हैं।**

उन्होंने कहा कि केन्द्रशासित प्रदेश की वर्तमान स्थिति को देखते हुए मैंने ससम्मान राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से इन्कार किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने परिवार और वरिष्ठ सहयोगियों के साथ इस अप्रत्याशित विकास पर चर्चा करने में कुछ दिन लगे। उन्होंने कहा, देश में सर्वोच्च पद के लिए मुझे जो समर्थन मिला है और सम्मानित किया गया है, उससे मैं दिल की गहराई से प्रभावित हूं। मेरा मानना है कि जम्मू कश्मीर एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है और प्रदेश को इस अनिश्चितता के समय को दिशासूचक के तौर पर मदद करने के लिए मेरे आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, मेरे सामने सक्रिय राजनीति है और मैं जम्मू-कश्मीर और देश की सेवा में अपना सकारात्मक योगदान देने के लिए तत्पर हूं। इसलिए मैं सम्मानपूर्वक अपना नाम विचार से वापस लेना चाहता हूँ और मैं संयुक्त विपक्ष की आम सहमति के उम्मीदवार का समर्थन करने के लिए तत्पर हूँ।

कोटपूतली में कोचिंग संचालकों पर राज कार्य में बाधा व सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने का मुकदमा दर्ज

पुलिस ने नौ कोचिंग संचालकों के खिलाफ छात्रों एवं युवाओं को उपद्रव के लिए भड़काने का मामला दर्ज किया

कोटपूतली, 18, जून (निसं)। अग्निपथ योजना को लेकर कोटपूतली में युवाओं के उपद्रव के मामले में पुलिस ने कस्बे की 9 डिफेंस ऐकेडमियों के संचालकों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया है।

आपको बता दें कि शुक्रवार को कोटपूतली में सैकड़ों की संख्या में उपद्रवी तत्वों ने राजमार्ग पर मुख्य चौराहे से लेकर पूतली कट तक पथराव कर एक दर्जन से अधिक रोडवेज व निजी बसो व पुलिस वाहनों के शीशे तोड़े थे और वाहनों में तोडफोड़ कर जमकर उत्पात मचाया था। वहीं इस दौरान हुए पथराव में दो पुलिसकर्मियों सहित तीन-चार अन्य लोग भी घायल हो गये थे।

वहीं दूसरी ओर शुक्रवार देर शाम जयपुर ग्रामीण एसपी मनीष अग्रवाल भी कोटपूतली पहुंचे थे। एसपी अग्रवाल ने तोडफोड़ करने, राजमार्ग जाम करने का प्रयास करने वाले उत्पाती तत्वों की पहचान कर नामजद मामला दर्ज करने के निर्देश दिये थे। इसी क्रम में एसएचओ सवाई सिंह ने कस्बा स्थित 9 डिफेंस एकेडमियों के संचालकों पर छात्रों को उकसा कर भडकाने एवं राजकार्य में बाधा डालने, सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने, रोडवेज व निजी तथा पुलिस वाहनों में तोडफोड़ करने और

- **प्रशासन ने समस्त छात्रावासों को खाली करवाया।**

राजमार्ग जाम करने सहित विभिन्न धाराओं में नामजद मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस प्रशासन ऐहतियात के तौर पर कस्बे के छात्रावास अधीक्षकों को आगामी आदेश तक छात्रों को छात्रावास में नहीं रखे जाने के लिए पाबंद किया है। घटनाक्रम में पुलिस ने 46 युवकों को विभिन्न स्थानों से हिरासत में लिया। इसमें से 34 को शांतिभंग में गिरफ्तार किया गया है।

एएसपी विधा प्रकाश ने बताया कि कोटपूतली में बहुत से सैन्टर सेना भर्ती की तैयारी करवाते हैं, जिन्होंने बिना किसी अनुमति के पार्क में उग्र प्रदर्शन करने के बाद राजमार्ग पर पथराव, वाहनों में तोडफोड़ की घटना को अंजाम दिया। जिसको पुलिस उपद्रवियों की और पहचान कर रही है। जिसके बाद प्रकरण में और भी मुकदमें दर्ज किये जायेंगे। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जायेगा। फरार हुए उपद्रवियों की भी तलाश की जा रही है। वहीं पुलिस ने सभी कोचिंग संचालकों की बैठक बुलाकर आवश्यक निर्देश दिये। इसके बाद मय जाप्ते के फ्लैग मार्च भी किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्पाती तत्वों ने राजस्थान रोड़वेज की 8, हरियाणा रोड़वेज की 2, जम्मु कश्मीर रोड़वेज की 1 बसों के साथ-साथ पुलिस की 2 जीप, 2 ट्रक व 3 निजी बसों में तोडफोड़ व पथराव कर उनके शीशे तोड़े थे।

इधर अग्निपथ योजना के कारण क्षेत्र के बिगड़े हुए हालातों को देखते हुए डीएसपी डॉ. संध्या यादव व एसएचओ सवाई सिंह ने शनिवार को कोटपूतली थाने में विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचों व जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। साथ ही सरपंचों को अपने-अपने क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाये रखने एवं उत्पात मचाने वाले असामाजिक तत्वों की जानकारी देने के लिए निर्देशित किया। डीएसपी ने कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में निगरानी रखें। साथ ही जिन गांवों से आये लडकों ने कस्बे में तोडफोड़ व राजकीय सम्पत्ति को नुकसान पहुँचाया है उनकी जानकारी जल्द से जल्द पुलिस को उपलब्ध करवायें। डीएसपी डॉ. संध्या यादव मय पुलिस जाप्ते के गोरधनपुरा चौकी व राजनौता का दौरा कर ग्रामीणों के साथ समझाईश भी की। डीएसपी ने कहा कि छात्रों को समझाया जायें कि वे कानून अपने हाथ में ना लें। कानून हाथ में लेने वाले तत्वों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जायेगा।

मंत्री हैं या ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के रूप में झूठे दावे करने में उसी तरह व्यस्त हैं जैसे कि कोई सेल्समैन करता है। उन्होंने ध्यान दिलाया कि गृह मंत्री अमित शाह ने चार वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत्त होने वाले 25 प्रतिशत "अग्निवीरों" को नौकरियों में लेने का वादा नहीं किया क्योंकि उन्होंने बड़ी चालाकी के साथ "25 प्रतिशत तक" की बात कहीं, जिसका मतलब यह हो सकता है कि 25 प्रतिशत से नीचे कोई भी प्रतिशत, लेकिन शेष 75 प्रतिशत के लिए कोई भी बात नहीं कही गई।

उन्होंने इस दावे का भी खण्डन किया कि सेना में चार वर्ष की सेवाएं देने वालों के खाते में 20 लाख रूपए आएंगे।

उन्होंने ध्यान दिलाया कि यह वैसा ही वादा है जैसा प्रधानमंत्री ने किया था कि एक बार काला धन बाहर आने के बाद प्रत्येक नागरिक के खाते में 15 लाख रूपए आ जाएंगे।

उन्होंने कहा कि नोटबंदी एक अन्य योजना थी, जिसमें वादा किया गया था कि इससे देश में आतंकवाद समाप्त होगा, तो फिर पुलवामा नरसंहार क्यों हुआ?

कन्हैया ने ध्यान दिलाया कि केन्द्र सरकार के पास 28 लाख रिक्तिया हैं जिन्हें युवाओं को आंदोलन में झोंकने के बजाए बेरोजगारों की मदद के लिए भरा जा सकता है और सेना में सैनिकों के रूप में भर्ती होने वाले बच्चे गांवों में परिश्रम कर रहे किसानों के पुत्र हैं ना कि गृह मंत्री का कोई पुत्र जिसकी पहली पसंद बी.सी.सी.आई. प्रैसीडेन्ट बनना है।

श्रीमाधोपुर में भी कोचिंग संचालकों को गिरफ्तार किया

कोचिंग संचालकों पर छात्रों एवं युवाओं को उपद्रव फैलाने के लिए भड़काने एवं प्रेरित करने का आरोप है

श्रीमाधोपुर, 18 जून (निसं)। पुलिस ने अग्निपथ योजना को लेकर हिंसक उपद्रव व सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार लोगों में मुख्य आरोपी एवं विनायक कोचिंग क्लासेज के निदेशक संयोग भावरिया भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार श्रीमाधोपुर शहर में केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना के विरोध में कल युवा शांतिपूर्ण तरीके से आक्रोश रैली निकाल रहे थे कि अचानक कुछ युवाओं ने पुलिस पर पत्थरबाजी की और श्रीमाधोपुर शहर सहित बाईपास रोड पर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हुए आग के हवाले कर दिया। वहीं मुख्य बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित शहर में तीन बैंकों के एटीएम तथा दो कियोस्क तोड़कर नुकसान पहुंचाया गया।

बाद में पुलिस के आरएसी के जाप्ते सहित जवानों, अधिकारियों ने मोर्चा संभालते हुए प्रदर्शनकारी उपद्रवियों को खदेड़ा। इस दौरान पुलिस ने वीडियो तथा फोटोज के आधार पर उपद्रवियों का नेतृत्व कर रहे विनायक कोचिंग क्लासेस के निदेशक संयोग भावरिया तथा सेवानिवृत्त फौजी बिरजू सिंह सामोता सहित कुल 17 आरोपियों को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया। उन्हें आज एसडीएम के समक्ष पेश किया, जहां से सभी को सोमवार तक जेल भेजने के आदेश दिए गए। डिप्टी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि उपद्रवियों के खिलाफ पुलिस थाने में अब तक 7 अलग-अलग मामले सरकारी अधिकारियों सहित निजी व्यक्तियों ने दर्ज करवाए हैं, वही एक मुकदमा जीआरपी पुलिस थाने में भी दर्ज हुआ है। इन आरोपियों को किया गिरफ्तार: संयोग भावरिया पुत्र सुन्दर लाल भावरिया निवासी गोमावाली, बिरजू सिंह सामोता पुत्र हरिसिंह सामोता निवासी डेरावाली, मनोज यादव पुत्र फूलाराम यादव निवासी भारणी, श्रवण कुमार पुत्र पोखरमल खटुन्दरा खण्डेला, दीनदयाल सैनी पुत्र किशन लाल सैनी निवासी ढ़ाल्यावास, सुभाष वर्मा पुत्र लालचंद वर्मा निवासी नांगल भीम, राजेंद्र सिंगड़ पुत्र मदनलाल जाट निवासी आभावास, मनोज कुमार पुत्र गोपाल राम निवासी रतनपुरा, दीपेन्द्र सिंह पुत्र सांवतराम यादव निवासी अरणिया, कमलेश कुमार पुत्र नोपाराम निवासी कल्याणपुरा, राकेश कुमार पुत्र पोखरमल निवासी निमेड़ा, धर्मपाल पुत्र सरदार सिंह निवासी लाडपुरा रींगस, नरेन्द्र पुत्र फुलचंद रोलाणियां निवासी मऊ, सुनिल पुत्र ज्ञानचंद रैगर निवासी दिवराला, अंकित पुत्र तेजपाल परसोया निवासी श्रीमाधोपुर, आकाश पुत्र कैलाश चंद रैगर निवासी श्रीमाधोपुर तथा आजाद पुत्र हीरालाल जाट निवासी निमेड़ा खण्डेला को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भिजवाया गया।

- **पुलिस ने कोचिंग संचालकों सहित 17 लोगों को गिरफ्तार किया।**

नया मीडिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्यसभा टिकट ना दिए जाने से खेड़ा काफी नाखुश थे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं स्व. शीला दीक्षित के वे राजनीतिक सचिव रह चुके हैं।

पाकिस्तान को एक और बड़ा झटका

नई दिल्ली, 18 जून। जर्मनी में हुई फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफ.ए.टी.एफ.) की बैठक में पाकिस्तान को एक बार फिर करारा झटका लगा। एफ.ए.टी.एफ. में चीन, तुर्की और मलेशिया समेत दुनिया के कई देशों की नापाक कोशिशों के बाद भी पाकिस्तान ग्रे लिस्ट से नहीं निकल पाया। एफ.ए.टी.एफ. की ग्रे लिस्ट में बने रहने से कंगाल पाकिस्तान को अरबों डॉलर का नुकसान उठाना पड़ रहा है। एफ.ए.टी.एफ. ने एक दल

- **फाइनैंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने पाकिस्तान को एक बार फिर "ग्रे" लिस्ट में बरकरार रखने का फैसला किया।**

भेजने का ऐलान किया है जो पाकिस्तान के उठाए गए कदमों की जांच करेगा। एफ.ए.टी.एफ. के फैसले के बाद पाकिस्तान में जश्न मनाया जाने लगा और इमरान खान से लेकर पाकिस्तानी सेना में श्रेय लेने की होड़ लग गई है। वैश्विक स्तर पर आतंकियों के वित्तपोषण पर नजर रखने वाली संस्था एफ.ए.टी.एफ. ने शुक्रवार को ऐलान किया कि 4 साल तक ग्रे लिस्ट में रखने के बाद अब वह पाकिस्तान को इस सूची से निकालने की प्रक्रिया को शुरू कर रही है। इन 4 वर्षों में पाकिस्तान को मजबूरन आतंकियों के वित्तपोषण रोकना पड़ा है, नहीं तो उसके ब्लैक लिस्ट होने का खतरा मंडरा रहा था। एफ.ए.टी.एफ. ने कहा कि उसका दल पाकिस्तान जाएगा।

'माफीवीर'...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिये तैयारियाँ कर रहे हैं और पिछले तीन साल में कोई भर्ती नहीं हुई है। प्रियंका ने कहा था कि इन भर्ती के लिये फिट रहने के लिये दौड़ लगाते-लगाते इन लोगों के पैरों में छाले पड़ गये हैं।

'होटल 17 लाख...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अचानक शादी करने से इन्कार कर दिया। परिवादी ने 12 अप्रैल को होटल प्रबंधन को समारोह निरस्त करने की जानकारी दी। इस पर होटल प्रबंधन ने पूरी राशि लौटाने का आश्वासन दिया। वहीं बाद में प्रबंधन ने 25 फीसदी राशि और पांच प्रतिशत सर्विस चार्ज लौटाने की बात कही, जो कि भविष्य में पुत्री की शादी होटल से करने पर 5 लाख 66 हजार चार सौ रुपए की छूट के तौर पर दी जा सकती है। परिवाद के जवाब में होटल की ओर से कहा गया कि एग्रीमेंट के अनुसार आयोजन से पन्द्रह दिन पहले बुकिंग निरस्त कराने पर ही पूरी राशि वापस दी जा सकती थी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद आयोग ने नुकसान की भरपाई के रूप में पन्द्रह फीसदी राशि की कटौती कर शेष 17 लाख रुपए दो माह में लौटाने को कहा है।

बहरोड़ में उपद्रवकारियों ने एनएच 48 जाम करने की कोशिश की

पुलिस के पहुंचने पर शहर के बीचों-बीच तोड़फोड़ कर टायर जलाये

बहरोड़/नीमराना/अलवर, 18 जून (निसं)। अग्निपथ योजना के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने सुबह लगभग 9:30 बजे नैशनल हाईवे नंबर 48 पर जाम लगाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस जाब्ता जब मौके पर पहुंच गया तो उपद्रवकारियों ने शहर के बीचों-बीच तोड़फोड़ तथा उपद्रव मचाना शुरू कर दिया और इसी बीच एक ग्रुप ने बहरोड़ के आरटीओ ऑफिस के पास टायर जला दिया।

बताया जाता है कि बहरोड़ में उपद्रवकारियों ने सोची समझी साजिश के तहत निजी संस्थाओं तथा डिफेंस एकेडमियों के उकसाने पर उपद्रवकारी घटनाओं को अंजाम दिया।

पुलिस ने लगभग 23 युवाओं को हिरासत में लिया है। बहरोड थानाधिकारी वीरेंद्र पाल सिंह ने बताया कि इन लोगों को शांतिभंग के आरोप में निरुद्ध करते हुए हिरासत में लिया गया है तथा गहन अनुसंधान के बाद इनके खिलाफ यदि किसी बड़ी साजिश का भंडाफोड हुआ तो कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

लोगों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों में स्थानीय युवाओं के साथ-साथ हरियाणा के युवा भी शामिल थे। पुलिस को युवाओं की बढ़ती भीड़ को देखकर हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। इस दौरान हाइवे पर लंबा जाम लग गया। वाहन चालक परेशान होते रहे। युवाओं का कहना था कि अग्निपथ योजना देश के युवाओं के हित में नहीं है।

युवाओं के आक्रोश बता रहे थे लेकिन उसमें आक्रोश और समझ की बजाय एक सोची-समझी रणनीति अधिक लग रही थी।

काबुल गुरुद्वारे में आई.एस.ने 15 सिखों कों बंधक बनाया

काबुल/नई दिल्ली, 18 जून (वार्ता)। काबुल में करता परवन गुरुद्वारा पर आतंकवादी हमले में कम से कम एक व्यक्ति के मारे जाने की रिपोर्ट है। जानकारी के मुताबिक आतंकियों ने गुरुद्वारे के अंदर करीब 15 लोगों को बंधक भी बना रखा है।

- **आतंकियों ने गुरुद्वारे के बाहर दो विस्फोट किये और गोलीबारी भी की**
- **एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है।**

रिपोर्ट के अनुसार इस्लामिक स्टेट के खुरासन गुट (आई.एस.आई.एस.) से जुड़े कुछ आतंवादियों ने शनिवार सुबह गुरुद्वारे पर गोलाबारी की। हमले के समय धमाकों और गोलीबारी की आवाज दूर तक सुनाई दे रही थी। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। सिख नेता मनजीन्द्रर सिंह सिरसा ने बाद में बताया कि हमलावरों को अफगानी सुरक्षा बलों के जवानों ने काबू में कर लिया है। गुरुद्वारे परिसर की स्थिति पर अब अफगानी पुलिस का नियंत्रण है। सिंह ने बताया कि अफगानिस्तान के कुछ सिख और हिन्दू गुरुद्वारे में फंसे हुए हैं। उनके अनुसार हमले में दो लोग घायल हुए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है जिनमें से एक की मौत हो गयी है। सोशल मीडिया के अनुसार शुरुआती जानकारी में गुरुद्वारे के गेट के बाहर हुए धमाकों में दो अफगान मारे गये।

सरकार ने "अग्निपथ" भर्ती प्रोग्राम पर अडिग...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सैनिकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया गया है। इस योजना को वापस लेने की माँग को खारिज करते हुये, पासवान ने कहा कि यह एक सुविचारित योजना है। उन्होंने मीडिया के एक वर्ग को बताया कि केन्द्र ने अब आयु-सीमा बढ़ा दी है। उन नौकरियों के बारे में भी सुस्पष्ट योजनाएं हैं, जो 75 प्रतिशत अग्निवीरों को सुरक्षा बलों में निर्धारित अवधि को पूरा कर लेने के बाद मिल सकेंगी। सड़कों पर हो रहे विरोध-प्रदर्शन को शांत करने की कोशिश करते हुये पासवान ने कहा कि कई राज्यों ने ऐसे आश्वासन भी दिये हैं कि वे राज्य पुलिस की नौकरियों में अग्निवीरों को प्राथमिकता देंगे।

बिहार में व्यापक विरोध की रिपोर्टें हैं। वहाँ आक्रोशित भीड़ ने दर्जनों ट्रेनों को आग लगा दी तथा अनेक शहरों और कस्बों में सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान पहुँचाया, जिससे बाध्य होकर पुलिस ने करीब एक-तिहाई राज्य में इन्टरनैट सेवाएं निलम्बित कर दीं। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, रेलवे सम्पत्ति के विध्वंस से इस अकेले राज्य में ही 200 करोड़ रू. के अधिक का नुकसान हो चुका है। किन्तु राज्य पुलिस के सर्वोच्च अधिकारी, डॉयरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस एस.के. सिंघल ने कहा है कि ऐसी "धारणा" पैदा की जा रही है कि पुलिस बिहार में विरोध को नियंत्रित करने की कार्यवाही समय पर करने में विफल रही है। ज्ञातव्य है कि बिहार अग्निपथ-विरोधों से सर्वाधिक त्रस्त राज्यों में से एक हैं।

बिहार के 38 में से 18 जिलों में इन्टरनैट सेवाएं निलम्बित कर दी गई हैं क्योंकि पुलिस सोशल मीडिया पर फैल रहे जन-आक्रोश को दबाने की कोशिश में है। "अग्निपथ" योजना के विरोधों की तीव्रता की पृष्ठभूमि में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज सैन्य भर्ती के इस नये मॉडल का जबरदस्त बचाव करते हुये कहा कि इसे बड़े पैमाने पर हुये विचार-विमर्श, जिनमें पूर्व सैनिकों के साथ हुआ विमर्श भी शामिल था, के बाद तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि राजनैतिक कारणों के चलते एक "भ्रांत समय" फैलाई जा रही है। रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में शनिवार को दोपहर बाद अपने निवास पर तीनों सशस्त्र सैन्य प्रमुखों के साथ मीटिंग कीं। भाजपा-शासित हरियाणा से भी विरोध-प्रदर्शनों की जानकारी मिली है। वहाँ कुछ युवाओं ने महेन्द्रगढ़ रेलवे स्टेशन के बाहर एक वाहन को आग के हवाले कर दिया। उधर पंजाब में 50 से अधिक प्रदर्शनकारियों के समूह ने लुधियान रेलवे स्टेशन परिसर में घुसकर वहाँ की सम्पत्ति को नुकसान पहुँचाया।

इस बीच, गृह मंत्रालय ने दो अर्द्धसैनिक बलों में भर्ती के लिये, अग्निवीरों को निर्धारित आयु सीमा में तीन साल की छूट प्रदान कर दी। इस समय, अर्द्धसैनिक बलों की पाँच शाखाओं- बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बी.एस.एफ.), सैन्ट्रल रिज़र्व पुलिस फोर्स (सी.आर.पी.एफ.), इन्डो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस (आई.टी. बी.पी.), सशस्त्र सीमा बल (एस.एस.बी.) तथा सैन्ट्रल इन्डस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (सी.आई.एस.एफ.) में 73,000 से ज्यादा पद खाली हैं। गृह मंत्रालय के डेटा में कहा गया है कि 73,219 पद सी.ए.पी.एफ. तथा असम राइफल्स में खाली हैं। इनके अलावा 18,124 पद केन्द्र शासित राज्यों के पुलिस बलों में भी खाली हैं। 10 लाख पदों वाली सी.ए.पी.एफ. गृह मंत्रालय के तहत सर्वाधिक रोजगार-प्रदाता एजेंसियों में से एक है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह तथा थल सेनाध्यक्ष द्वारा कल दिये गये आश्वासनों के बावजूद, इस नई अल्पकालीन सैन्य भर्ती योजना "अग्निपथ" का विरोध, जो अब आठ राज्यों में फैल गया है, केन्द्र सरकार के लिये एक बड़े मुद्दे का रूप ले चुका है।

तेलंगाना में ट्रेनों को आग लगाती तथा सम्पत्तियों को नुकसान पहुंचाती भीड़ पर की गई पुलिस फायरिंग में एक व्यक्ति मारा गया, जिससे वह सुरक्षा बलों का आतंक फैल गया है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब तथा मध्य प्रदेश से भी हिंसा की खबरें मिली हैं। बिहार में, विरोध-प्रदर्शनों के दौरान उपमुख्यमंत्री रेणु देवी के मकान पर भी हमला किया गया। आंदोलनकारी नई भर्ती योजना में किये गये परिवर्तनों से नाराज है तथा इसका खास कारण हैं- सेवावधि का कम होना तथा जल्दी सेवानिवृत्त किये जाने वाले अग्निवीरों के लिए पेंशन का कोई प्रावधान न होना।

सरकार ने मंगलवार को अग्निपथ योजना को सार्वजनिक करते हुये इसे थल सेना, नौ सेना एवं वायु सेना में सैनिकों की भर्ती के लिये एक "रूपान्तरकारी" अर्थात काया-पलट कर देने वाली योजना बताया था। किन्तु कांग्रेस ने कहा कि यह योजना "विवादास्पद, कई प्रकार के जोखिमों से भरी हुई, लम्बे समय से चली परम्पराओं को नष्ट कर देने वाली है तथा यह "थोड़े से पैसों की खातिर सुरक्षा में खामी लाने वाली" सिद्ध हो सकती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908